UP TET – Level II (Junior) SST

परीक्षा का पैटर्न एवं पाठ्यक्रम

भाग	लिखित परीक्षा का पाठ्यक्रम	प्रश्न	अंक	समय
1.	बाल विकास एवं शिक्षण विधियाँ	30	30	150 मिनट ($2\frac{1}{2}$ घंटे)
2.	भाषा-I हिन्दी	30	30	
3.	भाषा-II अंग्रेजी/संस्कृत/उर्दू	30	30	
4.	सामाजिक अध्ययन व अन्य	60	60	

नोट -

1. सभी प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होंगे।
2. इस परीक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाला अभ्यर्थी ही आगामी उच्च प्राथमिक अध्यापक भर्ती परीक्षा (SUPER TET Junior) में सम्मिलित हो सकेगा।

पाठ्यक्रम

I. बाल विकास एवं शिक्षण विधियाँ 30 प्रश्न

क) विषय-वस्तु :

- बाल विकास का अर्थ, आवश्यकता तथा क्षेत्र,
  बाल विकास की अवस्थाएँ शारीरिक विकास,
  मानसिक विकास संवेगात्मक विकास,
  भाषा विकास- अभिव्यक्ति क्षमता का विकास,
  सृजनात्मकता एवं सृजनात्मक क्षमता का विकास।
- बाल विकास के आधार एवं उनको प्रभावित करने वाले कारक- वंशानुक्रम, वातावरण (पारिवारिक, सामाजिक, विद्यालय, संचार माध्यम)।

सीखने का अर्थ तथा सिद्धान्त :

- अधिगम (सीखने) का अर्थ, प्रभावित करने वाले कारक, अधिगम की प्रभावशाली विधियाँ।
- अधिगम के नियम- थॉर्नडाइक के सीखने के मुख्य नियम एवं अधिगम में उनका महत्त्व।
- अधिगम के प्रमुख सिद्धान्त तथा कक्षा शिक्षण में इनकी व्यावहारिक उपयोगिता, थार्नडाइक का प्रयास एवं त्रुटि का सिद्धान्त, पावलॉव का सम्बद्ध प्रतिक्रिया का सिद्धान्त, स्किनर का क्रिया प्रसूत अधिगम सिद्धान्त, कोहलर का सूझ या अन्तदृष्टि का सिद्धान्त, प्याजे का सिद्धान्त, व्योगास्की का सिद्धान्त सीखने का वक्र- अर्थ एवं प्रकार, सीखने में पठार का अर्थ और कारण एवं निराकरण।

शिक्षण एवं शिक्षण विधाएँ :

- शिक्षण का अर्थ तथा उद्देश्य, सम्प्रेषण, शिक्षण के सिद्धान्त, शिक्षण के सूत्र, शिक्षण प्रविधियाँ, शिक्षण की नवीन विधाएँ (उपागम) सूक्ष्म शिक्षण एवं शिक्षण के आधारभूत कौशल।

समावेशी शिक्षा-निर्देशन एवं परामर्श :

- शैक्षिक समावेशन से अभिप्राय, पहचान, प्रकार, निराकरण यथा: अपवंचित वर्ग, भाषा, धर्म, जाति, क्षेत्र, वर्ण, लिंग, शारीरिक दक्षता (दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित एवं वाक्/अस्थिबाधित) मानसिक दक्षता।
- समावेशन के लिए आवश्यक उपकरण, सामग्री, विधियाँ, टी.एल.एम. एवं अभिवृत्तियाँ ।
- समावेशित बच्चों का अधिगम जाँचने हेतु आवश्यक टूल्स एवं तकनीकी।
- समावेशित बच्चों के लिए विशेष शिक्षण विधियाँ। यथा-ब्रेललिपि आदि।
- समावेशी बच्चों हेतु निर्देशन एवं परामर्श- अर्थ, उद्देश्य, प्रकार, विधियाँ, आवश्यकता एवं क्षेत्र।
- परामर्श में सहयोग देने वाले विभाग/संस्थाएँ ।
- मनोविज्ञानशाला उ.प्र., प्रयागराज।
- मण्डलीय मनोविज्ञान केन्द्र। (मण्डल स्तर पर)
- जिला चिकित्सालय ।
- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षित डाइट मेण्टर।
- पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण तन्त्र।
- समुदाय एवं विद्यालय की सहयोगी समितियाँ ।
- सरकारी एवं गैर सरकारी संगठन।
- बाल-अधिगम में निर्देशन एवं परामर्श का महत्त्व।

उत्कर्ष® प्रयागराज ऑफिस : 10/14, एल्गिन रोड, मिश्रा भवन चौराहा, इंडियन ऑयल CNG पेट्रोल पंप के पास, प्रयागराज
Head Office : जालोरी गेट चौराहा, जोधपुर | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213

(ख) अध्ययन और अध्यापन :-

- बालक किस प्रकार सोचते और सीखते हैं, बालक विद्यालय प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में कैसे और क्यों 'असफल होते हैं।
- शिक्षण और अधिगम की बुनियादी प्रक्रियाएँ; बालकों की अध्ययन कार्यनीतियाँ, सामाजिक क्रियाकलाप के
- रूप में अधिगम, अधिगम के सामाजिक संदर्भ।
- एक समस्या समाधानकर्ता और एक 'वैज्ञानिक अन्वेषक' के रूप में बालक ।
- बालकों में अधिगम की वैकल्पिक संकल्पना; अधिगम प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण चरणों के रूप में बालक की 'त्रुटियों को समझना।
- बोध और संवेदनाएँ।
- प्रेरणा और अधिगम।
- अधिगम में योगदान देने वाले कारक – निजी एवं पर्यावरणीय ।

II. भाषा- I हिन्दी

(क) विषय-वस्तु :-

- अपठित अनुच्छेद
- संज्ञा एवं संज्ञा के भेद
- सर्वनाम एवं सर्वनाम के भेद
- विशेषण एवं विशेषण के भेद
- क्रिया एवं क्रिया के भेद
- वाच्य – कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य
- हिन्दी भाषा की समस्त ध्वनियों, संयुक्ताक्षरों, संयुक्त व्यंजनों एवं अनुस्वार एवं चन्द्रबिन्दु में अन्तर।
- वर्णक्रम, पर्यायवाची, विपरीतार्थक, अनेकार्थक, समानार्थी शब्द
- अव्यय के भेद।
- अनुस्वार, अनुनासिक का प्रयोग
- 'र' के विभिन्न रूपों का प्रयोग
- वाक्य निर्माण (सरल, संयुक्त एवं मिश्रित वाक्य)
- विराम चिह्नों की पहचान एवं उपयोग
- वचन, लिंग एवं काल का प्रयोग
- तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशी शब्द
- उपसर्ग एवं प्रत्यय
- शब्द युग्म
- समास, समास विग्रह एवं समास के भेद
- मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ
- क्रिया सकर्मक एवं अकर्मक
- सन्धि एवं सन्धि के भेद (स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग सन्धियों)
- अलंकार (अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रुपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति)

(ख) भाषा विकास का अध्यापन :-

- अधिगम अर्जन
- भाषा अध्यापन के सिद्धांत
- सुनने और बोलने की भूमिका, भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं।
- मौखिक और लिखित रूप में विचारों के संप्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम में व्याकरण की भूमिका पर विवेचित संदर्श।
- एक भिन्न कक्षा में भाषा पढ़ाने की चुनौतियाँ भाषा की कठिनाइयाँ, त्रुटियाँ और विकार भाषा कौशल।
- भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना : बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना।
- अध्यापन – अधिगम सामग्रियाँ : पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा का बहुभाषायी संसाधन।
- उपचारात्मक अध्यापन।

III. भाषा - II

ENGLISH

(क) विषय-वस्तु :

- Unseen Passage.
- Nouns and its kinds.
- Pronoun and its Kinds.
- Verb and its kinds Adjective and its kinds & Degrees.
- Adverb and its kinds.
- Preposition and its kinds.
- Conjunction and its Kinds.
- Intersection.
- Singular and Plural.
- Subject and Predicate.
- Negative and interrogative sentences.
- Masculine and Feminine Gender.
- Punctuations.
- Suffix with Root words.
- Phrasal Verbs.
- Use of Somebody, Nobody, Anybody.
- Part of speech.
- Narration.
- Active voice and Passive voice.
- Antonyms & Synonyms.
- Use of Homophones.
- Use of request in sentences.
- Silent Letters in words.

IV. भाषा - II

प्रश्न उर्दू

(क) विषय-वस्तु :

- अपठित अनुच्छेद
- ज़बान की फन्नी महारतों की जानकारी
- मुखतलिफ असनाफे अदब हम्द, गज़ल, कसीदा, मर्सिया, मसनवी, गीत वगैरह की समझ एवं उनके फर्क को समझना।
- मुखतलिफ शायरों, अदीबों की हालाते जिन्दगी से वाकफियत एवं उनकी तसानीफ की जानकारी हासिल करना।
- मुल्क की मुश्तरका तहज़ीब में उर्दू जबान की खिदमत और अहमियत से वाकफियत हासिल करना।
- इस्म व उसके अक्साम, फेल, सिफत, ज़मीर, तजकीरओं तानीस, तज़ाद की समझ।
- सही इमला एवं एराब की जानकारी होना, मुहावरे एवं जर्बुल अमसाल से वाकफियत हासिल करना।
- सनअतों की जानकारी होना
- सियासी, समाजी एवं एख्लाकी मसाइल के तई बेदार होना और उस पर अपना नज़रियावाज़े रखना।

उत्कर्ष® प्रयागराज ऑफिस : 10/14, एल्गिन रोड, मिश्रा भवन चौराहा, इंडियन ऑयल CNG पेट्रोल पंप के पास, प्रयागराज
Head Office : जालोरी गेट चौराहा, जोधपुर | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213

V. भाषा - II

संस्कृत

(क) विषय-वस्तु :

- अपठित अनुच्छेद
- सन्धि - स्वर, व्यंजन
- अव्यय
- समास
- लिंग, वचन एवं काल का प्रयोग
- उपसर्ग
- पर्यायवाची
- विलोम
- कारक
- अंलकार
- प्रत्यय
- वाच्य
- संज्ञाएँ - निम्नवत् सभी शब्दों की सभी विभक्ति एवं वचनों के रूपों का ज्ञान
- पुल्लिंग शब्द
- स्त्रीलिंग शब्द
- नपुसंकलिंग शब्द
- अकारान्त पुल्लिंग
- आकारान्त स्त्रीलिंग
- अकारान्त नपुंसकलिंग
- उकारान्त पुल्लिंग,
- उकारान्त स्त्रीलिंग
- उकारान्त नपुंसकलिग
- ईकारान्त पुल्लिंग
- ईकारान्त स्त्रीलिंग
- ईकारान्त नपुंसकलिंग
- ऋकारान्त पुल्लिंग
- सर्वनाम
- विशेषण
- धातु
- संख्याएँ

(ख) भाषा विकास का अध्यापन:-

- अधिगम और अर्जन
- भाषा अध्यापन के सिद्धांत
- सुनने और बोलने की भूमिका, भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं।
- मौखिक और लिखित रूप में विचारों के संप्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम में व्याकरण की भूमिका पर निर्णायक संदर्श।
- एक भिन्न कक्षा में भाषा पढ़ाने की चुनौतियाँ, भाषा की कठिनाइयाँ, त्रुटियाँ और विकार।
- भाषा कौशल
- भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना : बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना।
- अध्यापन- अधिगम सामग्री : पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा का बहुभाषायी संसाधन।
- उपचारात्मक अध्यापन।

VII. सामाजिक अध्ययन व अन्य :

(क) विषय-वस्तु :

I. इतिहास

- इतिहास जानने के स्रोत
- पाषाणकालीन संस्कृति, ताम्र पाषाणिक संस्कृति, वैदिक संस्कृति
- छठी शताब्दी ई.पू. का भारत
- भारत के प्रारम्भिक राज्य
- भारत में मौर्य साम्राज्य की स्थापना
- मौर्योंतर भारत, गुप्तकाल, राजपूतकालीन भारत, पुष्यभूति वंश, दक्षिण भारत के राज्य
- इस्लाम का भारत में आगमन
- दिल्ली सल्तनत की स्थापना, विस्तार, विघटन
- मुगल साम्राज्य, संस्कृति, पतन
- यूरोपीय शक्तियों का भारत में आगमन एवं अंग्रेजी राज्य की स्थापना
- भारत में कम्पनी राज्य का विस्तार
- भारत में नवजागरण, भारत में राष्ट्रवाद का उदय
- स्वाधीनता आन्दोलन, स्वतन्त्रता प्राप्ति, भारत विभाजन
- स्वतन्त्र भारत की चुनौतियाँ

II. नागरिक शास्त्र:

- हम और हमारा समाज
- ग्रामीण एवं नगरीय समाज व रहन सहन
- ग्रामीण व नगरीय स्वशासन
- जिला प्रशासन
- हमारा संविधान
- यातायात सुरक्षा
- केन्द्रिय व राज्य शासन व्यवस्था
- भारत में लोकतन्त्र
- देश की सुरक्षा एवं विदेश नीति
- वैश्विक समुदाय एवं भारत
- नागरिक सुरक्षा
- दिव्यांगता

III. भूगोल :-

- सौरमण्डल में पृथ्वी, ग्लोब- पृथ्वी पर स्थानों का निर्धारण, पृथ्वी की गतियाँ
- मानचित्रण, पृथ्वी के चार परिमण्डल, स्थलमण्डल- पृथ्वी की संरचना, पृथ्वी के प्रमुख
- स्थलरूप
- विश्व में भारत, भारत का भौतिक स्वरूप, मृदा, वनस्पति एवं वन्यजीव, भारत की जलवायु, भारत के आर्थिक संसाधन, यातायात, व्यापार एवं संचार।
- उत्तर प्रदेश -भारत में स्थान, राजनीतिक विभाग, जलवायु, मृदा, वनस्पति एवं वन्यजीव कृषि, खनिज, उद्योग-धन्धे, जनसंख्या एवं नगरीकरण।
- धरातल के रूप, बदलने वाले कारक। (आंतरिक एवं बाह्य कारक)
- वायुमण्डल, जलमण्डल
- संसार के प्रमुख प्राकृतिक प्रदेश एवं जनजीवन
- खनिज संसाधन, उद्योग-धन्धे
- आपदा एवं आपदा प्रबन्धन

उत्कर्ष® प्रयागराज ऑफिस : 10/14, एल्गिन रोड, मिश्रा भवन चौराहा, इंडियन ऑयल CNG पेट्रोल पंप के पास, प्रयागराज
Head Office : जालोरी गेट चौराहा, जोधपुर | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213

IV. पर्यावरणीय अध्ययन :

- पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधन एवं उनकी उपयोगिता
- प्राकृतिक संतुलन
- संसाधनों का उपयोग
- जनसंख्या वृद्धि का पर्यावरण पर प्रभाव, पर्यावरण प्रदूषण
- अपशिष्ट प्रबन्धन, आपदाएँ, पर्यावरणविद्, पर्यावरण के क्षेत्र में पुरस्कार, पर्यावरण दिवस, पर्यावरण, कैलेण्डर

V. गृहशिल्प/गृहविज्ञान :-

- स्वास्थ्य एवं स्वच्छता
- पोषण, रोग एवं उनसे बचने के उपाय, प्राथमिक उपचार
- खाद्य पदार्थों का संरक्षण
- प्रदूषण
- पाचन सम्बन्धी रोग एवं सामान्य बीमारियाँ
- गृह प्रबन्धन, सिलाई कला, धुलाई कला, पाक कला. बुनाई कला, कढ़ाई कला।

VI. शारीरिक शिक्षा एवं खेल :-

- शारीरिक शिक्षा, व्यायाम, योग एवं प्राणायाम
- मार्चिंग, राष्ट्रीय खेल एवं पुरस्कार
- छोटे एवं मनोरंजनात्मक खेल, अन्तर्राष्ट्रीय खेल
- खेल और हमारा भोजन
- प्राथमिक चिकित्सा
- नशीले पदार्थों के दुष्परिणाम एवं उनसे बचाव का उपाय, खेलकूद, खेल प्रबन्धन एवं नियोजन का महत्त्व।

VII. संगीत :-

- स्वर ज्ञान
- राग परिचय
- संगीत में लय एवं ताल का ज्ञान
- तीव्र मध्यम वाले राग
- वन्दना गीत/ झण्डा गान
- देशगान, देशगीत, भजन
- वन संरक्षण/वृक्षारोपण
- क्रियात्मक गीत

VIII. उद्यान विज्ञान एवं फलसंरक्षण :-

- मिट्टी, मृदा गठन, भू-परिष्करण, यंत्र, बीज, खाद उर्वरक
- सिंचाई, सिंचाई के यंत्र
- बाग लगाना, विद्यालय वाटिका
- झाड़ी एवं लताएँ, शोभा वाले पौधे, मौसमी फूल की खेती, फलों की खेती, शाक वाटिका, सब्जियों की खेती प्रवर्धन, कायिक प्रवर्धन
- फल परीक्षण, फल संरक्षण-जैम, जेली, सॉस, अचार बनाना
- जलवायु विज्ञान
- फसल चक्र

(ख) अध्यापन संबंधी मुद्दे :-

- सामाजिक अध्ययन की अवधारणा और पद्धति
- कक्षा की प्रक्रियाएँ, क्रियाकलाप और व्याख्यान
- विवेचित चिंतन का विकास करना
- पूछताछ/अनुभवजन्य साक्ष्य
- सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन पढ़ाने की समस्याएँ
- प्रोजेक्ट कार्य
- मूल्यांकन

♦♦♦

उत्कर्ष® प्रयागराज ऑफिस : 10/14, एल्गिन रोड, मिश्रा भवन चौराहा, इंडियन ऑयल CNG पेट्रोल पंप के पास, प्रयागराज
Head Office : जालोरी गेट चौराहा, जोधपुर | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213

उत्कर्ष
उत्कर्ष
उत्कर्ष

उत्कर्ष® प्रयागराज ऑफिस : 10/14, एल्गिन रोड, मिश्रा भवन चौराहा, इंडियन ऑयल CNG पेट्रोल पंप के पास, प्रयागराज
Head Office : जालोरी गेट चौराहा, जोधपुर | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213